नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली - 110002

₹ 850/-

ISBN : 978-93-90868-03-2

आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना

संपादक
डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग

आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना

संपादक
डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग

प्रस्तुत पुस्तक 'आधुनिक हि
चेतना' है। परन्तु यदि इस भाव
किया जाय तो स्पष्ट होता है कि
एक काल सीमा में बोध पर प्रवा
सृष्टि के प्रारम्भ में ही साहित्य
उत्पत्ति हुई और राष्ट्र बोध की चे
अन्य साहित्यों की त
आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिक
भाव विराजमान रहा है, पर
आधुनिक काल में हुआ।
आधुनिक काल जैसा
स्थापना का काल है। सम्पू
सभ्यता एवं संस्कृति की र
आन्दोलन संचालित रहे हैं।
साहित्यकार वर्ग भी पीछे नहीं
प्रति स्वतंत्रता का विगुल हि
भारतेन्दु युग में कवि शिरोम
स्वयं कहा कि—द्विवेदी युग
हुआ रूप सभी स्तरों
मैथिलीशरण गुप्त ने भ
स्वर्णिम अतीत को याद क
"देखो हमारा विश्व
नर देव थे हम औ

© संपादक

पहला संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90868-03-2

9 789390 868032

नमन प्रकाशन
4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002
फोनः 8750551515, 8595352540

श्री नितिन गर्ग द्वारा नमन प्रकाशन के लिए प्रकाशित तथा
एशियन ऑफसेट प्रिंटर्स, मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली में मुद्रित।

Adhunik Hindi Kavita Mein Rashtriya Chetna
By Ed. Madhuri Garg

9. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य में राष्ट्रीय चेतना — 80
प्रा. रत्नमाला धारबा धुळे (वानखेडे)

10. जयशंकर प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय चेतना — 85
स.प्रा. प्रकाश आनंदा लहाने

11. हिंदी साहित्य में विभिन्न रचनाकारों की रचनाओं में राष्ट्रीय चेतना — 88
डॉ. शिंदे मालती धोंडो पन्त

12. दुष्यंत कुमार के "जलते हुए वन का वसंत" में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना — 99
रंजिनी जी नायर

13. राष्ट्रीय चेतना के संवाहक : कवि निराला — 106
अन्जू सी

14. "द्विवेदी युगीन साहित्य में राष्ट्रीय चेतना" — 109
डॉ. शेखर घुंगरवार

15. राष्ट्रीय चेतना के परिप्रेक्ष्य में आचार्य विद्यासागर की कविता — 114
डॉ. बारेलाल जैन

16. आधुनिक काल में राष्ट्रीय चेतना — 121
डॉ.रामगोपाल सिंह / श्रीमती अनीता सिंह बघेल

17. 'प्रेमचंद के उपन्यासों में राष्ट्रीयता' — 126
डॉ. सुमन अग्रवाल

18. मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना — 133
डॉ. आशा रानी

19. राष्ट्रीय एकता का दूसरा नाम 'दिनकर' — 145
डॉ. मजिदाएम

20. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के काव्य में राष्ट्रीय चेतना — 151
डॉ. पुष्पा रानी

21. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक कामायनी — 156
दीपक कुमार ललखेर

22. सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक दिनकर के काव्य — 161
डॉ. विनय कुमार शुक्ल

23. मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय चेतना — 168
डॉ. वर्षा खरे

24. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना — 174
डॉ. ममता उपाध्याय

25. छायावादी कविता में राष्ट्रीय चेतना — 180
डॉ. वन्दना त्रिपाठी

26. "जयशंकरप्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय चेतना" — 187
डॉ. दीपक विनायक पवार

27. छायावाद युगीन काव्य में राष्ट्रीय चेतना — 193
डॉ. शेख शहेनाज अहेमद

28. 'कुँअर सिंह' : तेगा पर पानी कहाँ थोर — 202
डॉ. अजय बिहारी पाठक

29. छायावादी कवियों की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का स्वरूप — 210
डॉ. जगदम्बा प्रसाद दुबे

30. द्विवेदीयुगीन हिन्दी-काव्य में राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति — 221
डॉ. इन्दुमती दुबे

31. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में प्रयोगवादी राष्ट्रीय चेतना — 232
डॉ. सबीहा ताबीर

32. राष्ट्रीय चेतना के स्वर : आधुनिक काल — 234
अतुल कुमार

33. राष्ट्रीय चेतना का दस्तावेज : भारत-भारती — 240
डॉ. उषा तिवारी